संख्या-102/2023/3233/22-2-2022-17(1322)/2022

प्रेषक,

सुरेश कुमार पाण्डेय,
विशेष सचिव
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

पुलिस महानिदेशक/महानिरीक्षक,
कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवायें,
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

कारागार प्रशासन एवं सुधार अनुभाग-2 लखनऊ दिनांक 18 मार्च, 2023

विषय:- नारी बंदी निकेतन लखनऊ में निरूद्ध सिद्धदोष महिला बंदी सुरेश पत्नी श्री सतपाल, निवासी जनपद-मुजफ्फरनगर की फार्म-ए के आधार पर समयपूर्व रिहाई के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अपने पत्र संख्या-29945/प्रोवेशन-3-फार्म-ए/(एम-04.08.2022) दिनांक-20.09.2022 का कृपया संदर्भ ग्रहण करें।

2- आपके उक्त पत्र द्वारा उपलब्ध कराये गये प्रस्तावानुसार नारी बंदी निकेतन लखनऊ में निरूद्ध सिद्धदोष महिला बंदी सुरेश पत्नी श्री सतपाल, भैसवाल, थाना-गढ़ीपुख्ता, जनपद-मुजफ्फरनगर की निवासी है। सविता के पति श्रीपाल का अवैध सम्बन्ध अपनी भाभी से होने का विरोध करने पर श्रीमती सविता को मारा पीटा जाता था। दिनांक 13.04.2001 को बन्दिनी ने 05 सहअभियुक्तों के साथ मिलकर श्रीमती सविता एवं उसकी 02 पुत्रियों दीपिका व पायल सहित 03 लोगों की जलाकर हत्या कर दी। उक्त अपराध हेतु महिला बन्दी को सत्र परीक्षण संख्या-13/2002 में भा0द0वि0 की धारा-147, 302 में मा0 न्यायालय अति0 जिला एवं सत्र न्यायाधीश, कोर्ट नं0-4, मुजफ्फरनगर के आदेश दिनांक 07-07-2005 द्वारा आजीवन कारावास से दण्डित किया गया। महिला बन्दी द्वारा दिनांक 14.01.2022 तक 16 वर्ष, 07 माह 16 दिन की अपरिहार सजा तथा 21 वर्ष, 10 माह, 15 दिन की सपरिहार सजा भोगी गयी है। जिला प्रोबेशन अधिकारी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट द्वारा मा0 उच्चतम न्यायालय द्वारा निर्दिष्ट 05 बिन्दुओं की आख्या में महिला बन्दी का अपराध समाज को व्यापक रूप से प्रभावित करने, भविष्य में अपराध करने का अवसर होने, पुनः अपराध करने में अशक्त नहीं होने, जेल में और आगे निरूद्ध रखने का सार्थक प्रयोजन होने की आख्या अंकित करते हुए समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की गयी है। जिला मजिस्ट्रेट, मुजफ्फरनगर द्वारा महिला बंदी का अभिभावक उपयुक्त पाया गया है, किन्तु समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की गयी है।

बोर्ड का अभिमत है कि सविता के पति श्रीपाल का अवैध सम्बन्ध अपनी भाभी से होने का विरोध करने पर श्रीमती सविता को मारा पीटा जाता था। दिनांक 13.04.2001 को बन्दिनी ने 05 सहअभियुक्तों के साथ मिलकर श्रीमती सविता एवं 02 पुत्रियों दीपिका व पायल सहित 03 लोगों की जलाकर हत्या करने का जघन्य अपराध किया गया है। इस तरह के अपराधियों की समयपूर्व रिहाई से समाज में न्यायिक प्रणाली के बारे में विपरीत संदेश जायेगा। महिला बन्दी का अपराध समाज को प्रभावित करने, भविष्य में अपराध करने का अवसर होने का अंकन जनपदीय अधिकारियों द्वारा निर्दिष्ट 05 बिन्दुओं की आख्या में किया गया है। इस प्रकार महिला बन्दी द्वारा किये गये अपराध की गम्भीरता एवं जघन्यता, जिला प्रोबेशन अधिकारी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट द्वारा निर्दिष्ट 05 बिन्दुओं की आख्या में समयपूर्व रिहाई का विरोध किये जाने के दृष्टिगत प्रिजनर्स रिलीज आन प्रोबेशन एक्ट 1938 की धारा-2 के अन्तर्गत सिद्धदोष महिला बंदी सुरेश पत्नी सतपाल को फार्म ए/लाईसेंस के आधार पर रिहा किये जाने की संस्तुति नहीं की गयी है।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.gov.in

3- उपरोक्त वर्णित तथ्यों के परिप्रेक्ष्य में मुझे यह सूचित करने का निदेश हुआ है कि नारी बंदी निकेतन लखनऊ में निरूद्ध सिद्धदोष महिला बंदी सुरेश (बन्दी संख्या-1766) पत्नी श्री सतपाल के फार्म-ए पर यू0पी0 प्रिजनर्स रिलीज आन प्रोबेशन एक्ट,1938 की धारा-2 के प्राविधानों के अन्तर्गत सम्यक् विचारोपरान्त उसे मुक्ति का पात्र नहीं पाया गया है। अतएव उक्त बन्दी की लाइसेन्स पर मुक्ति राज्यपाल महोदया द्वारा अस्वीकार कर दी गयी है। तदनुसार उसके फार्म-ए पर शासन के आदेश अंकित करके एतद्द्वारा वापस लौटाया जा रहा है। कृपया प्राप्ति स्वीकार करते हुए शासन के निर्णय से बन्दी को तत्काल अवगत कराने का कष्ट करें।

संलग्नक: यथोपरि।

(बन्दी का फार्म-ए एवं समस्त पत्रादि सहित)

भवदीय,

सुरेश कुमार पाण्डेय
विशेष सचिव।

संख्या-102/2023/3233(1)/22-2-2022 तद्दिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1- जिला मजिस्ट्रेट, मुजफ्फरनगर ।
2- अधीक्षक, नारी बंदी निकेतन लखनऊ ।
3- निजी सचिव, मा0 राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), कारागार प्रशासन एवं सुधार विभाग, उ0प्र0 शासन को मा0 मंत्री जी के सूचनार्थ।
4- निजी सचिव, मा0 राज्यमंत्री, कारागार प्रशासन एवं सुधार विभाग, उ0प्र0 शासन को मा0 मंत्री जी के सूचनार्थ।
5- कारागार प्रशासन एवं सुधार अनुभाग-3, उत्तर प्रदेश शासन।
6- गार्ड फाइल।

आज्ञा से,
कृष्ण कुमार सिंह
उप सचिव।

http://shasanadesh.up.gov.in

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।
2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।

शासनादेश संख्या-102/2023/3233/22-2-2022-17(1322)/2022

दिनांक 18 मार्च, 2023 का संलग्नक

सरकार के आदेश

नारी बंदी निकेतन लखनऊ में निरूद्ध सिद्धदोष महिला बंदी सुरेश पत्नी श्री सतपाल, भैसवाल, थाना-गढ़ीपुख्ता, जनपद-मुजफ्फरनगर की निवासी है। सविता के पति श्रीपाल का अवैध सम्बन्ध अपनी भाभी से होने का विरोध करने पर श्रीमती सविता को मारा पीटा जाता था। दिनांक 13.04.2001 को बन्दिनी ने 05 सहअभियुक्तों के साथ मिलकर श्रीमती सविता एवं उसकी 02 पुत्रियों दीपिका व पायल सहित 03 लोगों की जलाकर हत्या कर दी। उक्त अपराध हेतु महिला बन्दी को सत्र परीक्षण संख्या-13/2002 में भा0द0वि0 की धारा-147, 302 में मा0 न्यायालय अति0 जिला एवं सत्र न्यायाधीश, कोर्ट नं0-4, मुजफ्फरनगर के आदेश दिनांक 07.07.2005 द्वारा आजीवन कारावास से दण्डित किया गया। महिला बन्दी द्वारा दिनांक 14.01.2022 तक 16 वर्ष, 07 माह 16 दिन की अपरिहार सजा तथा 21 वर्ष, 10 माह, 15 दिन की सपरिहार सजा भोगी गयी है। जिला प्रोबेशन अधिकारी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट द्वारा मा0 उच्चतम न्यायालय द्वारा निर्दिष्ट 05 बिन्दुओं की आख्या में महिला बन्दी का अपराध समाज को व्यापक रूप से प्रभावित करने, भविष्य में अपराध करने का अवसर होने, पुनः अपराध करने में अशक्त नहीं होने, जेल में और आगे निरूद्ध रखने का सार्थक प्रयोजन होने की आख्या अंकित करते हुए समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की गयी है। जिला मजिस्ट्रेट, मुजफ्फरनगर द्वारा महिला बंदी का अभिभावक उपयुक्त पाया गया है, किन्तु समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की गयी है। बोर्ड का अभिमत है कि सविता के पति श्रीपाल का अवैध सम्बन्ध अपनी भाभी से होने का विरोध करने पर श्रीमती सविता को मारा पीटा जाता था। दिनांक 13.04.2001 को बन्दिनी ने 05 सहअभियुक्तों के साथ मिलकर श्रीमती सविता एवं 02 पुत्रियों दीपिका व पायल सहित 03 लोगों की जलाकर हत्या करने का जघन्य अपराध किया गया है। इस तरह के अपराधियों की समयपूर्व रिहाई से समाज में न्यायिक प्रणाली के बारे में विपरीत संदेश जायेगा। महिला बन्दी का अपराध समाज को प्रभावित करने, भविष्य में अपराध करने का अवसर होने का अंकन जनपदीय अधिकारियों द्वारा निर्दिष्ट 05 बिन्दुओं की आख्या में किया गया है। इस प्रकार महिला बन्दी द्वारा किये गये अपराध की गम्भीरता एवं जघन्यता, जिला प्रोबेशन अधिकारी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट द्वारा निर्दिष्ट 05 बिन्दुओं की आख्या में समयपूर्व रिहाई का विरोध किये जाने के दृष्टिगत प्रिजनर्स रिलीज आन प्रोबेशन एक्ट 1938 की धारा-2 के अन्तर्गत सिद्धदोष महिला बंदी सुरेश पत्नी सतपाल को फार्म-ए/लाईसेंस के आधार पर रिहा किये जाने की संस्तुति नहीं की गयी है।

उक्त के दृष्टिगत सम्यक् विचारोपरान्त राज्यपाल महोदया द्वारा महिला बंदी की फार्म-ए के आधार पर समयपूर्व रिहाई अस्वीकार कर दी गयी है।

सुरेश कुमार पाण्डेय
विशेष सचिव।

http://shasanadesh.up.gov.in

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।
2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।